Date
28/04/2020

विषय - शांति शिक्षा एवं सतत विकास
प्रकरण - हिंसा के मोर्चे
(भेदभाव)

D.El.Ed
4th Sem.

भेदभाव :- अंग्रेजी भाषा मे भेदभाव का अर्थ 'Discrimination' होता है। भेदभाव मे आधिकांशतः किसी व्यक्ति को उसके वर्ग, समूह एवं वर्ग के आधार पर उसको मिलने वाले अधिकारो एवं अवसरो से वंचित कर दिया जाता है। भेदभाव किसी व्यक्ति के पक्ष या विपक्ष, उसके व्यक्तिगत गुणो एवं अवगुणो को न देखते हुए किसी श्रेणी या समूह के सदस्य होने के आधार पर किया जाता है।

भारतीय समाज मे भेदभाव :- भारतीय समाज मे विभिन्न प्रकार के भेदभाव को निम्नलिखित श्रेणियो मे विभाजित कर सकते है -

(i) **धार्मिक भेदभाव** :- भारत मे विभिन्न धर्मो के लोग रहते है। कुछ धर्म यही पर जन्मे जैसे सिख, बौद्ध, जैन, आदि। सभी बहुत प्यार से मिलजुल कर रहते है। परन्तु परम्पराओ के नाम पर दूरिया है।

(ii) **जातिगत भेदभाव** :- भारतीय समाज की नीव ही जातिगत व्यवस्था पर पड़ी है। पूरे समाज को चार वर्गो मे विभाजित कर दिया गया था। पुराने समय मे जाति भावना ज्यादा सबल थी। वर्तमान मे जाति की बेडिया कमजोर हो गई है।

(iii) **आर्थिक भेदभाव** :- भारत मे उच्च वर्ग, मध्य वर्ग, व निम्नवर्ग मे विभाजन है परन्तु भारत मे उच्च तथा निम्न वर्ग मे काफी अन्तर देखा गया है। उच्च वर्ग के लोग बाकी लोगो को अपने से हीन समझते है जो भेदभाव का प्रमुख कारण है।

(iv) **सांस्कृतिक विभेद** :- अपनी भौगोलिक परिस्थितियो के कारण भारत मे अलग-अलग तरह के रहन-सहन पाए जाते है। अलग-अलग प्रकार की संस्कृति के लोग एक-दूसरे को शंका की दृष्टि से देखते है।

Scanned with CamScanner

(v) **भाषायी भेदभाव** :- अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग संस्कृति के साथ अलग-अलग भाषा भी है। कहावत - भारत में सौ कोस पर पानी व डेढ़ सौ कोस पर बानी बदलती है। ये अलग-अलग भाषाएँ भी मनभेदभाव का कारण है।

(vi) **प्रजातीय भेदभाव** :- भारत में बड़ी संख्या में विभिन्न जनजाति के लोग रहते हैं। इसके अतिरिक्त सात बहनों के नाम से भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित राज्यों में विभिन्न जनजातियों के लोग रहते हैं। जिनकी अलग-अलग संस्कृतियां प्रजातीय भेदभाव का कारण है।

(vii) **लैंगिक विभेद** :- समान योग्यता वाले दो मानवों में केवल उनके लिंग के कारण होने वाले भेदभाव को लैंगिक विभेद कहते हैं।

* **भेदभाव को दूर करने के उपाय** :-

भेदभाव को दूर करने के उपाय निम्नलिखित हैं -

(i) सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके भेदभाव को दूर किया जा सकता है।

(ii) समान न्याय व्यवस्था के द्वारा भेदभाव को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

(iii) सामाजिकता का विकास करके आपसी भाई-चारे के द्वारा भेदभाव को दूर किया जा सकता है।

(iv) लैंगिक असमानता को दूर करके भेदभाव को बढ़ने से रोका जा सकता है।

(v) शिक्षा का प्रसार करके धर्म, वर्ग, जाति, समूह से सम्बन्धित भेदभाव को दूर किया जा सकता है।

Sudhi Tyagi
28/04/2020

Scanned with CamScanner